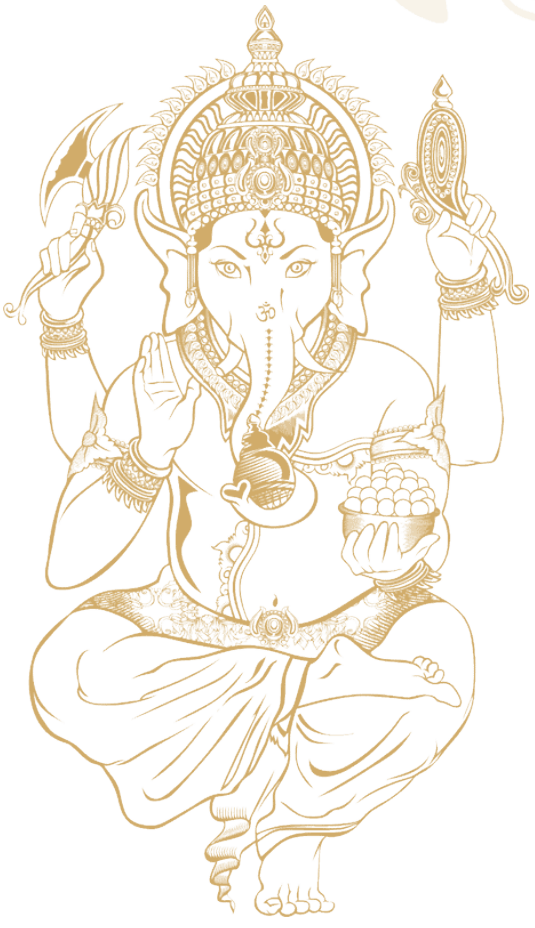

Mr.divyansh

Ms.g

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119547403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/02/2000	जन्म तिथि	01/10/2001
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:07:00	जन्म समय	22:50:00 घंटे
घटी 29:49:05	जन्म समय(घटी)	41:20:26 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Sirsa
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	29:32:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	75:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:29:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:22	सूर्योदय	06:22:57
18:06:06	सूर्यास्त	18:15:27
23:51:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 3वर्ष 6मा 24दि	09:00:50	सिंह	लग्न	मिथु	05:55:48	शनि 16वर्ष 3मा 21दि
बुध	25:14:26	मक	सूर्य	कन्या	14:43:02	बुध
03/09/2022	00:21:40	मीन	चंद्र	मीन	05:13:20	22/01/2018
03/09/2039	03:29:21	मीन	मंगल	धनु	19:09:04	22/01/2035
बुध 29/01/2025	11:23:14	कुंभ	बुध	तुला	05:48:33	बुध 20/06/2020
केतु 27/01/2026	05:09:19	मेष	गुरु	मिथु	20:11:37	केतु 17/06/2021
शुक्र 27/11/2028	24:16:19	धनु	शुक्र	सिंह	19:07:58	शुक्र 17/04/2024
सूर्य 03/10/2029	17:07:31	मेष	शनि व	वृष	21:04:21	सूर्य 21/02/2025
चन्द्र 04/03/2031	09:48:37	कर्क व	राहु व	मिथु	07:11:46	चन्द्र 24/07/2026
मंगल 01/03/2032	09:48:37	मक व	केतु व	धनु	07:11:46	मंगल 21/07/2027
राहु 18/09/2034	23:04:32	मक	हर्ष व	मक	27:22:43	राहु 06/02/2030
गुरु 24/12/2036	10:45:40	मक	नेप व	मक	12:11:21	गुरु 14/05/2032
शनि 03/09/2039	18:40:53	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:04:37	शनि 22/01/2035

लग्न-चलित

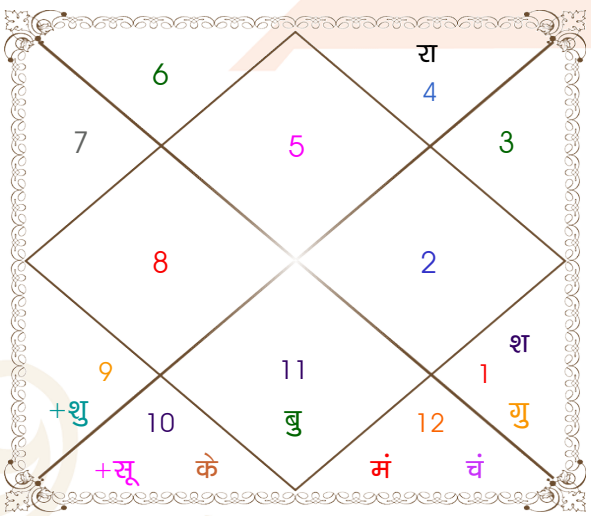

लग्न-चलित

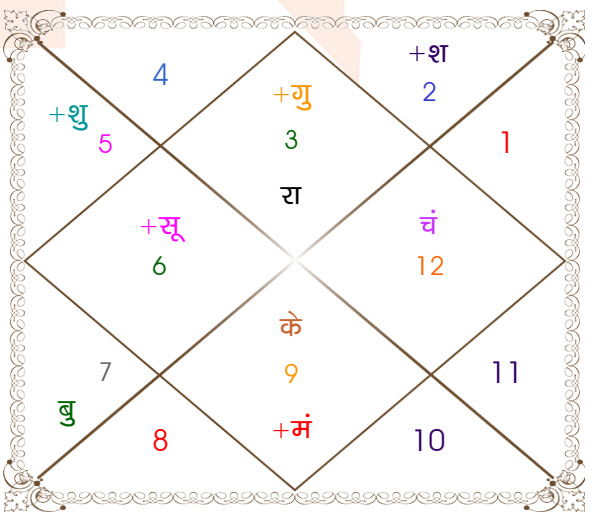

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr.divyansh का वर्ग सर्प है तथा Ms.g का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.divyansh और Ms.g का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.divyansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.divyansh कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.divyansh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.g मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.g कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.divyansh तथा Ms.g में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।